आ लौट के आजा हनुमान | By Rajendra Jain |

आ लौट के आजा हनुमान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।
लक्ष्मण के बचा ले प्राण,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।
आ लौट के आजा हनुमान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।

प्यारे पवनसुत ला दे संजीवन,
क्यों अब तक ना आए।
रो रो मैं तो तुझको पुकारूँ,
नर बानर कुम्भलाए।
चहुँ ओर दिखे शमशान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।
आ लौट के आजा हनुमान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।

धरती पे मेरी आँखों का तारा,
घायल अवस्था में सोता।
हाय लखन अपनी माता का,
बेटा है एकलौता।
कब सुध लोगे हनुमान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।
आ लौट के आजा हनुमान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।

बीती सारी रैन के अब तो,
क्षण भर भी ना बाकी।
देखत देखत राह तुम्हारी,
बैरन अँखियाँ थाकी।
सूर्योदय लेगा जान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।
आ लौट के आजा हनुमान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।

पहली किरण उगने ना पाई,
ले आए संजीवन।
मूर्छा दूर करी लक्ष्मण की,
तन कर दीन्हा कंचन।
बजरंग तू ही बलवान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।
आ लौट के आजा हनुमान,
तुझे तेरे राम बुलाते हैं।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86-%e0%a4%b2%e0%a5%8c%e0%a4%9f-%e0%a4%95%e0%a5%87-

%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-
%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-rajendra-jain-2/